Roll No. : ....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–116

B.A. (Part–I) Examination, 2023

SANSKRIT

Paper - II

(भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 100*

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति–

   (i) प्रत्याहारः कति ?

   (ii) आश्रमस्य नामानि लिखतु।

(iii) संस्कार: कति नामानि लिखतु ?

(iv) रघुवंशद्वितीयसर्गे कस्य वर्णनम् ?

(v) सुदक्षिणा का आसीत् ?

(vi) अण् प्रत्याहारे कति वर्णा: ?

(vii) अधोलिखित वाक्यानां संस्कृतभाषायामनुवादं क्रियताम्—

(क) वह विद्यालय जायेगा।

(ख) पुत्र पिता के साथ जाता है।

(viii) निम्नांकितानां वाक्यानां आर्यभाषायामनुवादं क्रियताम्—

(क) नगरं परित: पुष्पाणि सन्ति।

(ख) गुरुभ्य: नम:।

(ix) 'गम्' धातो: लट् लकारे रूपं लिख्यताम्।

(x) 'राम' शब्दस्य रूपं लिख्यताम्।

खण्ड–ब

नोट :– अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषाञ्चित् **पञ्च** प्रश्नानामुत्तराणि लिखतु शत द्वय शब्देषु (200 शब्द)—

2. भारतीयसंस्कृते: वर्णव्यवस्थाया: स्वरूपं वर्ण्यताम्।

3. भारतीयसंस्कृते: मानवकल्याणे योगदानं लिख्यताम्।

4. अधोलिखितेषु श्लोकेषु केषाञ्चित् **द्वय** श्लोकानामनुवादं क्रियताम्—

(अ) तस्या: खुरन्यास पवित्रपांसुमपांसुलानां धुरि कीर्तनीया।
मार्गं मनुष्येश्वर, धर्मपत्नी श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्॥

(ब) शशाम वृष्ट्यापि विना दवाग्नि रासीद् विशेषाफलपुष्पवृद्धि:।
ऊनं न सत्वेष्वधिको बबाधे तस्मिन् वनं गोप्तरि गाहमाने॥

(स) अलं महीपाल तव श्रमेण प्रयुक्तमप्यस्त्रमितो वृथा स्यात्।
न पादपोन्मूलनशक्ति रंह: शिलोच्चये मूर्च्छति मारुतस्य॥

5. निम्नलिखित गद्यखण्डस्य हिन्दीभाषायामनुवादो विधय:—

विश्वेऽस्मिन् सर्वे जना: सुखं इच्छन्ति। सुखं शान्तिश्च तदा एव भवत:, यदा नर: सन्तुष्टो भवति। यत् किञ्चित् स्वकीयेन परिश्रमेण प्रयत्नेन च प्राप्नोति तत्र एव सुखानुभूतिं सन्तोष इत्युच्यते। ये जना: सन्तोषहीना: भवन्ति, ते धनलाभेऽपि पर्याप्तसामग्रीसत्वेऽपि असन्तुष्टा सन्ति। तेषां जीवनं दु:खमयम्, अशान्तियुक्तं च भवति। जीवने सुखशान्तिलाभाय सन्तोषस्य महती आवश्यकता अस्ति।

6. अधोलिखितेषु सूत्रेषु केषाञ्चित् **चतुर्णां** सूत्राणामर्थोदाहरणानि लिख्यताम्–

(क) अदर्शनं लोपः

(ख) तुल्यास्य प्रयत्नं सवर्णम्

(ग) अकः सवर्णे दीर्घः

(घ) इको यणचि

(ङ) झलां जशोऽन्ते

(च) शश्छोऽटि

(छ) वा शरि

(ज) रो रि

7. अधोलिखितेषु शब्देषु केषाञ्चित् **चतुर्णां** शब्दानां रूपाणि लिख्यताम्–

(क) हरि

(ख) गो

(ग) नदी

(घ) ज्ञान

(ङ) वारि

(च) युष्मद्

8. अधोलिखितेषु धातुषु केषाञ्चित् **चतुर्णां** धातुरूपाणि लिख्यताम्–

(क) भू धातोः (लृट् लकारे)

(ख) गम् धातोः (लोट् लकारे)

(ग) एध् धातोः (लट् लकारे)

(घ) पठ् धातोः (लङ् लकारे)

(ङ) दृश् धातोः (लृट् लकारे)

(च) चुर् धातोः (लट् लकारे)

खण्ड–स

नोट :– निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु कयोः **द्वयोः** सविस्तारं वर्णनं क्रियताम् पञ्चशत् शब्देषु (**500** शब्द)–

9. भारतीयसंस्कृतेः संस्काराणां विस्तृतं स्वरूपं वर्ण्यताम्।

10. रघुवंशद्वितीयसर्गस्य सारं लेखनीयः।

11. अधोलिखितेषु वाक्येषु संस्कृत भाषायामनुवादो करणीय–

(क) वह विद्यालय जाता है।

(ख) रमा पत्र लिखती है।

(ग) रमेश पुस्तक पढ़ेगा।

(घ) नगर के दोनों ओर फूल हैं।

(ङ) ज्ञान के बिना सुख नहीं।

(च) पिता को नमस्ते।

(छ) अग्नि में स्वाहा।

(ज) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(झ) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ हैं।

(ञ) वह भूमि पर बैठता है।

12. अधोलिखितेषु शब्देषु केषाञ्चित् **पञ्चानां** शब्दानां रूपसिद्धिः करणीय–

(क) सुध्युपास्यः

(ख) उपेन्द्रः

(ग) दैत्यारिः

(घ) रामश्शेते

(ङ) रामष्षष्ठः

(च) हरिं वन्दे

(छ) वागीशः